कार्य-निष्पादन संबंधी विशेषताएं

31 मार्च 2026 को समाप्त
तिमाही/ वित्तीय वर्ष

बेहतर भविष्य के
लिए वित्तपोषण

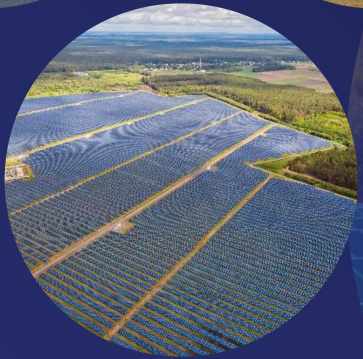

पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लि.
एक महारत्न पीएसयू

विषय-सूची

I. पीएफसी एक नज़र में

- राष्ट्र के विकास को सशक्त बनाना
- भारत में ऊर्जा परिवत्रन के अग्रणी वित्तपोषक
- *पीएफसी समूह संरचना*
- *पीएफसी आरईसी पुनर्गठन*
- *पीएफसी वित्तपोषण प्रगति*

II. समेकित कार्य-निष्पादन

- *समेकित विशेषताएं*
- *मुख्य समेकित वित्तीय विवरण*

III. एकल कार्य-निष्पादन

- *विशेषताएं*
- *अर्जन संबंधी अद्यतन*
- *परिसंपत्ति गुणवत्ता*
- *प्रचालनात्मक कार्य-निष्पादन*
- *शेयरधारक आउटलुक*

IV. पीएफसी में ईएसजी

- *ईएसजी विज़न*
- *ईएसजी कीअब तक की यात्रा*
- *ईएसजी कार्य-निष्पादन स्नैपशॉट*
- *ईएसजी रेटिंग*

पीएफसी एक नज़र में

राष्ट्र के विकास को ऊर्जा प्रदान करना

→ भारत की सबसे बड़ी एनबीएफसी

→ एएए रेटिड एनबीएफसी

→ अंतरराष्ट्रीय रेटिंग भारत की सॉवेरिन रेटिंग के समतुल्य है।

भारत सरकार के अधिकतम स्वामित्वाधीन

भारत की सर्वाधिक लाभ अर्जित करने वाली एनबीएफसी *

भारत का सबसे बड़ा नवीकरणीय ऊर्जा वित्तपोषक

अब तक की यात्रा आईएफएससी गिफ्ट सिटी में स्थापित प्रथम विद्युत एवं इंफ्रा वित्त कंपनी पीआईएफआईएल के माध्यम अंतरराष्ट्रीय ऋण वितरण गतिविधियों का विस्तार **

#फॉर्च्यून 500 इंडिया (दिसंबर) में 33 वां स्थान तथा # फोर्ब्स 2000:इंडिया (2025) में 18वां स्थान

FORTUNE

** वित्त वर्ष 2025-26 के लिए*

** पीएफसी आईएफएससी लिमिटेड, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड (पीएफसी) की पूर्णतः स्वामित्वाधीन सहायक कंपनी

पीएफसी - भारत में ऊर्जा परिवर्तन का अग्रणी वित्तपोषक

नवीकरणीय ऊर्जा लोन बुक में पिछले 5 वर्षों में दोगुने से अधिक वृद्धि

(Rs in crores)

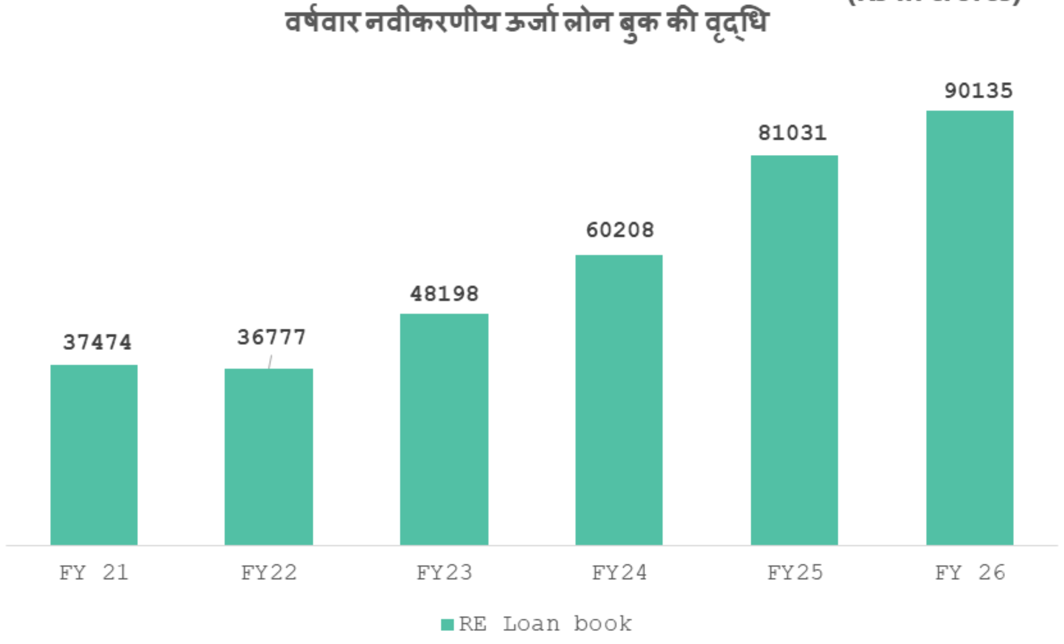

उत्पादन लोन बुक में नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र की निरंतर बढ़ती भागीदारी

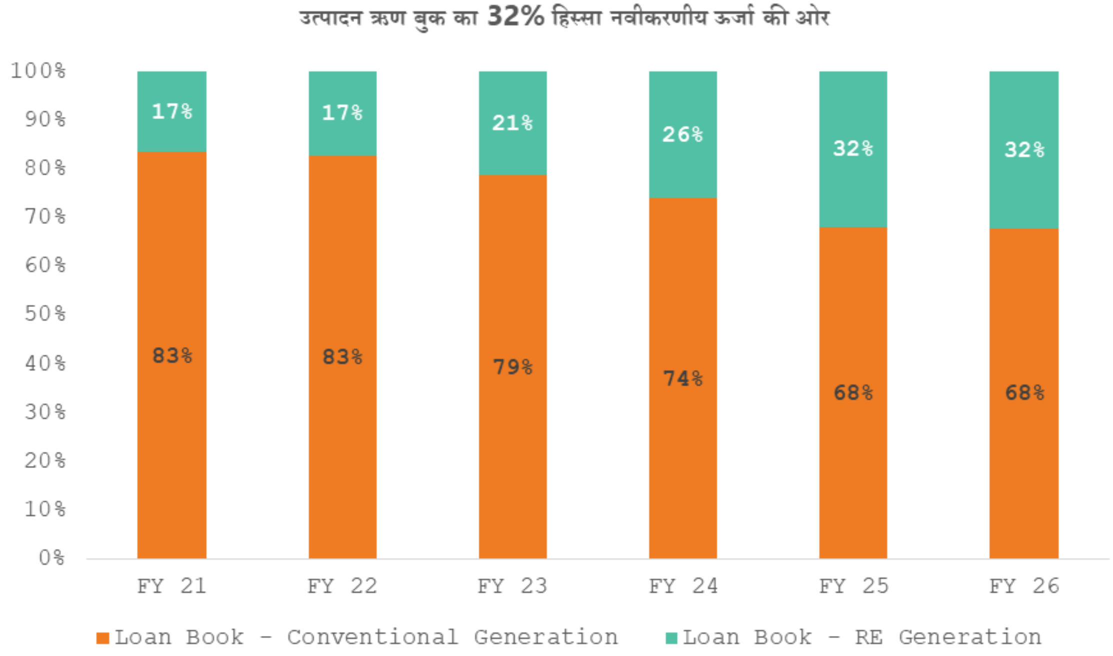

पीएफसी ने वित्त वर्ष 2026 तक लगभग 66 GW नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता (भारत की गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित स्थापित क्षमता का लगभग 24%) को सहायता प्रदान की है।

पीएफसी समूह संरचना

पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन

- **सहयोगी कंपनियां**
  - पीएफसी कंसल्टिंग — 100%
  - पीएफसी इंफ्रा फाइनेंस आईएफएससी — 100%
  - आरईसी लिमिटेड — 52.63%
- **सहायक कंपनियां**
  - अल्ट्रा मेगा पावर परियोजनाएं — 100%

पीएफसी आरईसी पुनर्गठन

ऊर्जा क्षेत्र की बदलती वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए एक एकल और केंद्रित संस्था के गठन की दिशा में एक कदम।

पी एफ सी PFC + आरईसी REC असीमित ऊर्जा, अनन्त संभावनाएं Endless energy. Infinite possibilities.

बजट 2026 में पीएफसी और आरईसी के पुनर्गठन की घोषणा

क्षेत्रीय नेतृत्व के एक नए युग की ओर अग्रसर

बड़े पैमाने पर वित्तपोषण को सक्षम बनाना और उभरते अवसरों का अधिक प्रभावी ढंग से लाभ उठाना।

एकल कार्य-निष्पादन

- 12 लाख करोड़ रुपए से अधिक की बैलेंस के साथ पीएफसी ग्रुप भारत का सबसे बड़ा एनबीएफसी है।
- ₹1,73,441 करोड़* की संयुक्त नेट वर्थ तथा भविष्य की ऋण वृद्धि को समर्थन देने हेतु पर्याप्त पूंजी स्तर।
- समेकित शुद्ध ऋण-अवमूल्यित परिसंपत्ति अनुपात 0.13% के साथ परिसंपत्ति गुणवत्ता सुदृढ़ बनी हुई है।
- ₹33,625 करोड़ का संयुक्त कर पश्चात लाभ, जिससे पीएफसी समूह भारत का सर्वाधिक लाभ अर्जित करने वाला एनबीएफसी बन गया है।

*गैर नियंत्रक हित सहित

पीएफसी वित्तीय प्रगति- माइलस्टोन

» *पीएफसी ने वर्ष 1986 में अपनी स्थापना से लेकर अब तक अनेक महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं— वर्ष 2007 में अपने आईपीओ से लेकर पहला ग्रीन बॉन्ड जारी करने तक तथा एक दशक से भी कम समय में अपने ऋण पोर्टफोलियो को दोगुना करने तक।*

1986
रकार के 100% स्वामित्वाधीन कंपनी के रुप में स्थापित

2007
बीएसई, एनएसई (भारत) पर सूचीबद्ध आईपीओ लॉन्च किया।

2010
एफपीओ किया भारत सरकार की शेयरधारिता 56% तक कम हुई।

2017
400 मिलियन यूएसडी का पहला ग्रीन बॉण्ड जारी किया

2019
आरईसी लिमिटेड का अधिग्रहण किया और भारतीय विद्युत क्षेत्र में सबसे बड़ा वित्तीय संस्थान बन गया

2023
इंफ्रा और लॉजिस्टिक क्षेत्रों में कदम रखा

2024
आईएफएससी, गिफ्ट सिटी में एक विदेशी सहायक कंपनी की स्थापना

2025
ऋण परिसंपत्तियां ₹5 ट्रिलियन से अधिक हो गई हैं

2026
पीएफसी आरईसी के पुनर्गठन् की घोषणा बजट 2026 में की गई

समेकित कार्य निष्पादन

वि.व’26

ऋण परिसंपत्ति (लाख करोड़ रुपए में)

11,63,768 करोड़ रुपए की समेकित ऋण परिसंपत्ति बही

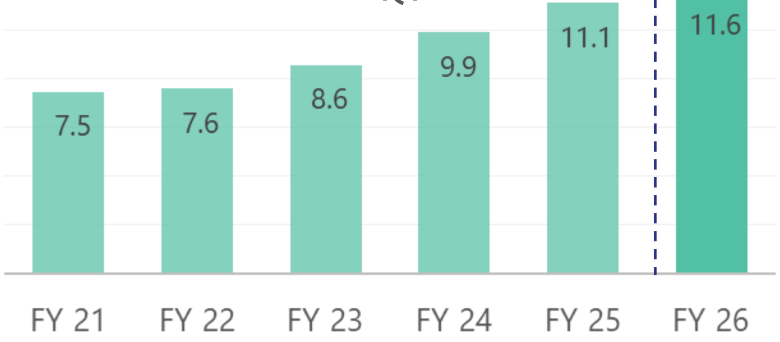

नेट वर्थ* (लाख करोड़ रुपए में)

1,73,441 करोड़ रुपए की नेट वर्थ, वर्ष दर वर्ष 12% की वृद्धि

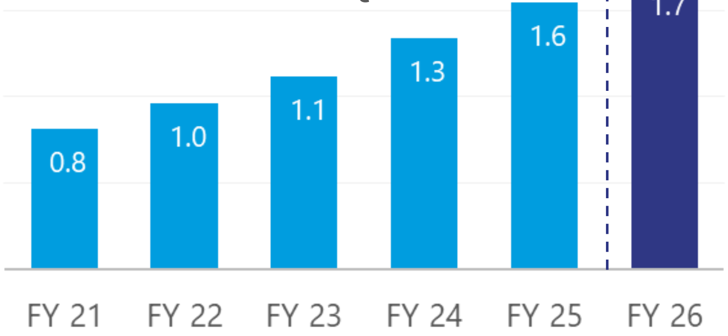

* गैर नियंत्रित हित सहित

कर-पश्चात लाभ (करोड़ रुपए में)

समेकित कर पश्चात लाभ में वर्ष दर वर्ष 10% की वृद्धि

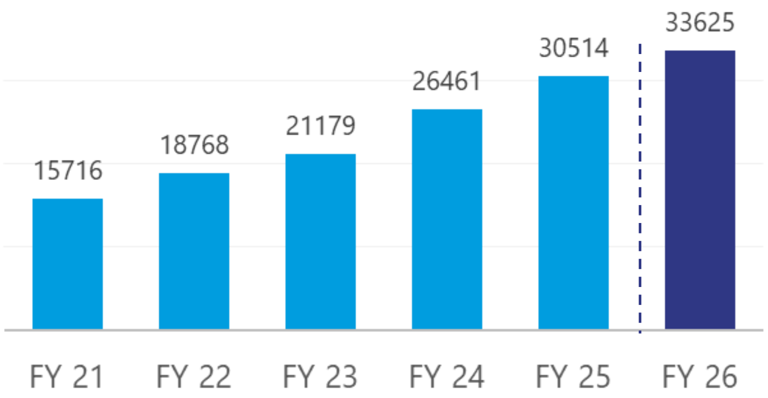

एनपीए में लगातार गिरावट

शुद्ध ऋण-अवमूल्यित परिसंपत्ति अनुपात घटकर 0.13% के नए न्यूनतम स्तर पर पहुंच गया

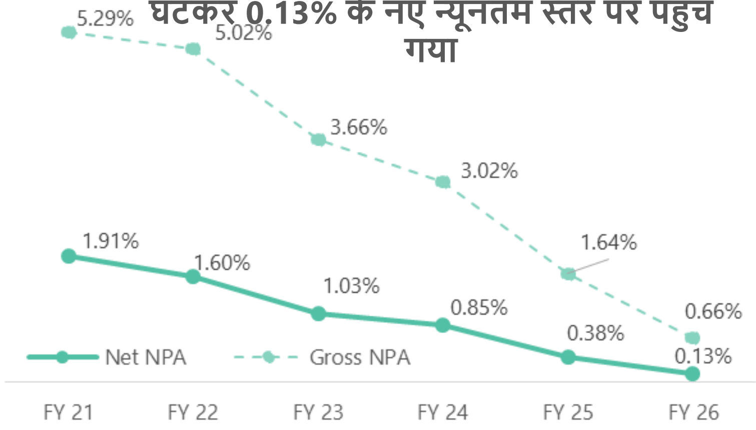

प्रमुख समेकित वित्तीय विवरण

(करोड़ रु. में)

	ति4 वित्त26	ति4 वित्त 25	वित्त 26	वित्त 25
ब्याज आय	28,166	28,676	1,12,961	1,05,001
ब्याज व्यय	17,333	16,567	69,415	64,644
निवल ब्याज आय	10,833	12,109	43,546	40,357
कर पश्चात लाभ	8,598	8,358	33,625	30,514
कुल व्यापक आय	3,511	7,050	26,627	28,699

विश्लेषण के उद्देश्य से कुछ आंकड़ों को पुनः समूहीकृत / पुनः वर्गीकृत किया गया हो सकता है। अतः ये प्रकाशित आँकड़ों से मेल नहीं खा सकते हैं।

एकल कार्य-निष्पादन

मुख्य विशेषताएं

01

एकल कार्य निष्पादन

वि.व.'26 का परिप्रेक्ष्य

₹20,051 **करोड़**

अब तक का सर्वाधिक वार्षिक कर पश्चात लाभ

कर पश्चात लाभ में 16% की वृद्धि दर्ज की गई

विव.2025-26 में ₹20,051 करोड़, बनाम विव 2024-25 में ₹17,352 करोड़

23.44% **सीआरएआर**

मज़बूत पूंजीगत स्थिति

टियर-1 पूंजी 21.93% पर रही, जो न्यूनतम नियामकीय आवश्यकता से काफी अधिक है।

13%

नेट वर्थ में वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि

नेट वर्थ ₹1 लाख करोड़ के ऐतिहासिक स्तर को पार कर गई।

31.03.2026 को ₹1,02,532 करोड़ बनाम 31.03.2025 को ₹90,937 करोड़

सिन्नर थर्मल पावर लिमिटेड का सफल समाधान

3,001 करोड़ रुपए की बकाया राशि वाली 1350 मे.वा. की एक तापीय परियोजना।

इसके साथ ही, विव 2025-2026 के लिए सकल क्रेडिट क्षतिग्रस्त् परिसंपत्ति अनुपात 1.09% और शुद्ध क्रेडिट क्षतिग्रस्त् परिसंपत्ति अनुपात 0.15% रहा।

अर्जन संबंधी अद्यतन

एकल कार्य-निष्पादन

02

राजस्व और वृद्धि

(करोड़ रु.)

	ति4 विव 26	ति4 विव 25	विव 26	विव 25
ब्याज आय	13,925	13,721	55,073	49,875
ब्याज व्यय	8,403	7,794	33,177	30,512
शुद्ध ब्याज आय	5,522	5,927	21,896	19,363
कर पश्चात लाभ	6,325	5,109	20,051	17,352
कुल व्यापक आय	4,258	4,850	17,189	17,051

विश्लेषण के उद्देश्य से कुछ आंकड़ों को पुनर्समूहीकृत / पुनर्वर्गीकृत किया गया हो सकता है।अतः, ये प्रकाशित आंकड़ों से मेल नहीं खा सकते हैं।

महत्वपूर्ण अनुपात

(अनुपात%)

	वित्त 26	वित्त 25
अर्जित परिसंपत्तियों पर आय	9.96	10.02
निधियों की लागत	7.50	7.44
आय अर्जित परिसंपत्तियों पर ब्याज अंतर	2.46	2.58
अर्जित परिसंपत्तियों पर निवल ब्याज मार्जिन	3.55	3.64
नेट वर्थ(शेयर पूंजी + सभी आरक्षित निधियाँ)	1,02,532 करोड़ रु.	90,937 करोड़ रु.

विश्लेषण के उद्देश्य से कुछ आंकड़ों को पुनर्समूहीकृत / पुनर्वर्गीकृत किया गया हो सकता है। अतः, ये प्रकाशित आंकड़ों से मेल नहीं खा सकते हैं।

परिसंपत्ति गुणवत्ता

एकल कार्य-निष्पादन

03

परिसंपत्ति सारांश – वित्त'26

→ शुद्ध ऋण क्षतिग्रस्त परिसंपत्ति अनुपात 0.15% पर रहा

→ एनपीए पर 86% प्रावधान बनाए रखा गया

सरकारी क्षेत्र को अधिकांश ऋण

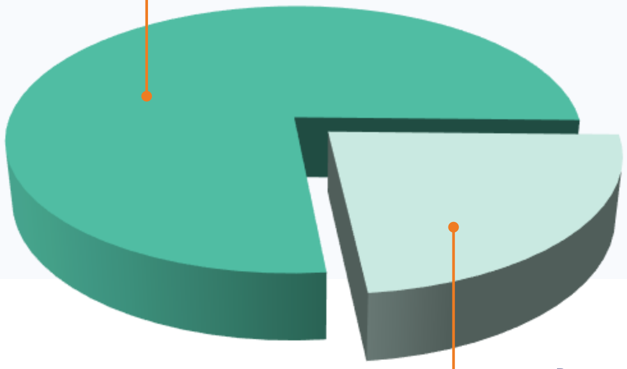

ऋण परिसंपत्तियाँ

5,80,115 करोड़ रु.

संवितरण

1,65,414 करोड़ रु.

नवीकरणीय बुक

ऋण बुक का 16%

सकल क्रेडिट-क्षतिग्रस्त परिसंपत्ति अनुपात

1.09%

सुदृढ़ परिसंपत्ति गुणवत्ता

पिछले 10 वर्षों में सबसे कम शुद्ध ऋण-क्षतिग्रस्त परिसंपत्ति अनुपात

घटता एनपीए पीएफसी के सफल समाधान प्रयासों का प्रमाण

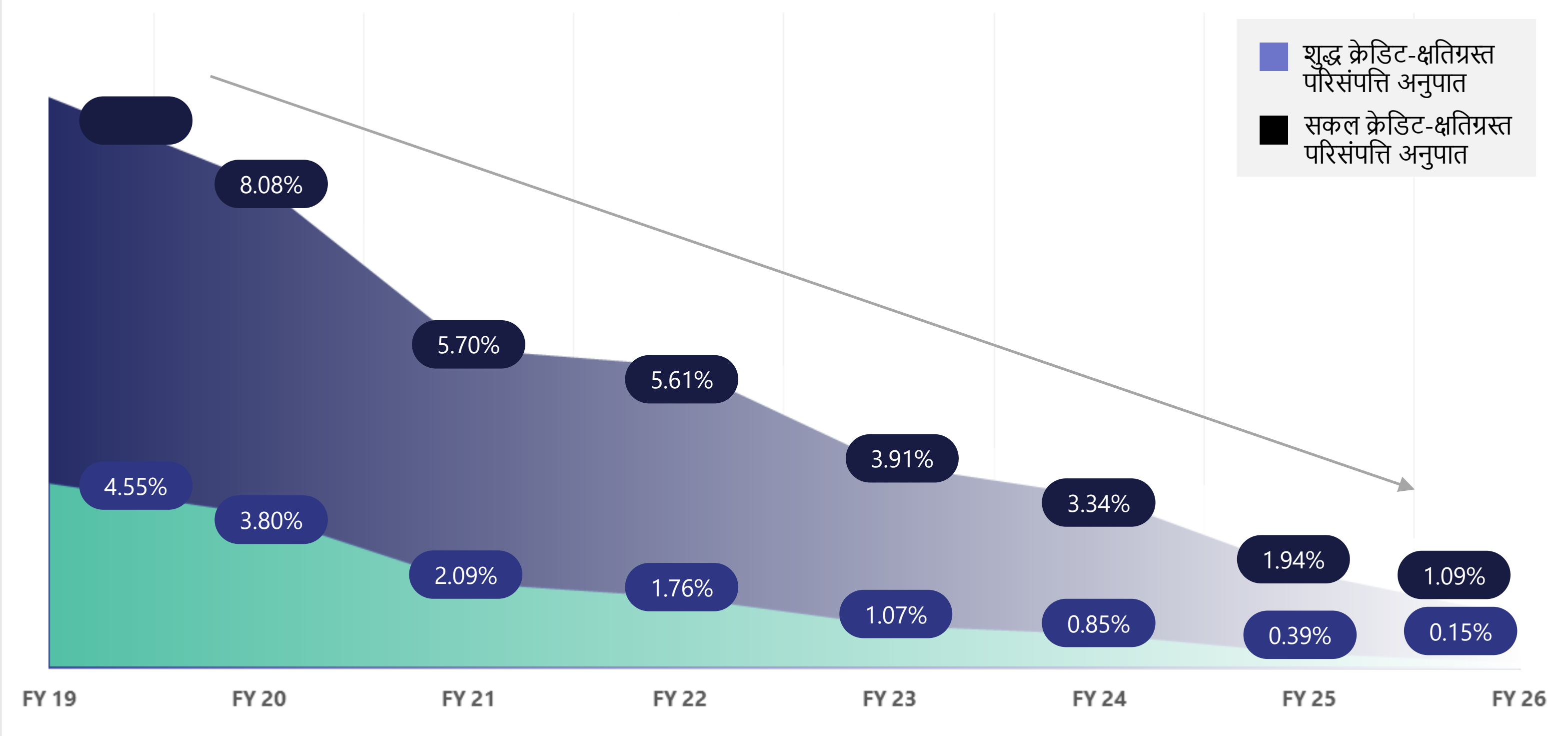

शुद्ध क्रेडिट-क्षतिग्रस्त परिसंपत्ति अनुपात 0.15% पर।

प्रावधान संबंधी झलकियां- 31.03.2026

(करोड़ रुपए में)

बकाया ऋण परिसंपत्ति	चरण I & II	चरण III	कुल ऋण परिसंपत्ति
सरकारी क्षेत्र	4,42,694	-	4,42,694
निजी क्षेत्र	1,31,099	6,323	1,37,422
कुल बकाया	5,73,793	6,323	5,80,115
कुल प्रावधान	4,950	5,448	10,399
कुल प्रावधान(%)	0.86%	86%	1.79%
निवल परिसंपत्ति	5,68,842	874	5,69,717

31.03.2026 तक प्रावधान की स्थिति

चरण III परिसंपत्तियों (एनपीए) के निमित्त 86% प्रावधान)

चरण III

(सकल ऋण परिसंपत्तियों के % के रूप में)

बकाया स्टेज III परिसंपत्तियां (% में)	
सरकारी क्षेत्र	NIL
निजी क्षेत्र	1.09%
सकल चरण III (% में)	1.09%
कुल प्रावधान (% में)	86%
शुद्ध चरण III परिसंपत्तियां (प्रतिशत में)	0.15%

समाधान स्थिति- चरण III परिसंपत्तियाँ

चरण III में 6,323 करोड़ रुपए की ऋण परिसंपत्तियों की समाधान स्थिति

एनसीएलटी के अधीन	एनसीएलटी के बाहर
एनसीएलटी में 5,469 करोड़ रुपए	एनसीएलटी से बाहर 854 करोड़ का समाधान किया जा रहा है।
10 परियोजनाएं	**9** परियोजनाएं
91% प्रावधान	**54%** प्रावधान

प्रचालनात्मक कार्य-निष्पादन

एकल कार्य-निष्पादन

04

ऋण परिसंपत्ति- संरचना

(करोड़ रूपए में)

	31.03.2026 तक	31.03.2025 तक
सकल ऋण परिसंपत्तियाँ	**5,80,115**	**5,43,120**
योजना-वार		
उत्पादन	2,77,797	2,53,884
- पारंपरिक उत्पादन	*1,87,661*	*1,72,853*
- नवीकरणीय ऊर्जा	*90,135*	*81,031*
- बड़ी हाइड्रो परियोजनाएं (>25 मेगावाट)	*18,783*	*16,191*
- सौर/पवन एवं अन्य नवीकरणीय ऊर्जा परियोजन	*71,353*	*64,840*
पारेषण	42,029	37,782
वितरण*	1,93,630	1,93,779
इंफा एवं लॉजिस्टिक्स*	52,076	48,448
अन्य*	14,584	9,227
क्षेत्र-वार		
सरकारी क्षेत्र	4,42,694	4,20,549
निजी क्षेत्र	1,37,422	1,22,571

ऋण परिसंपत्ति मिक्स

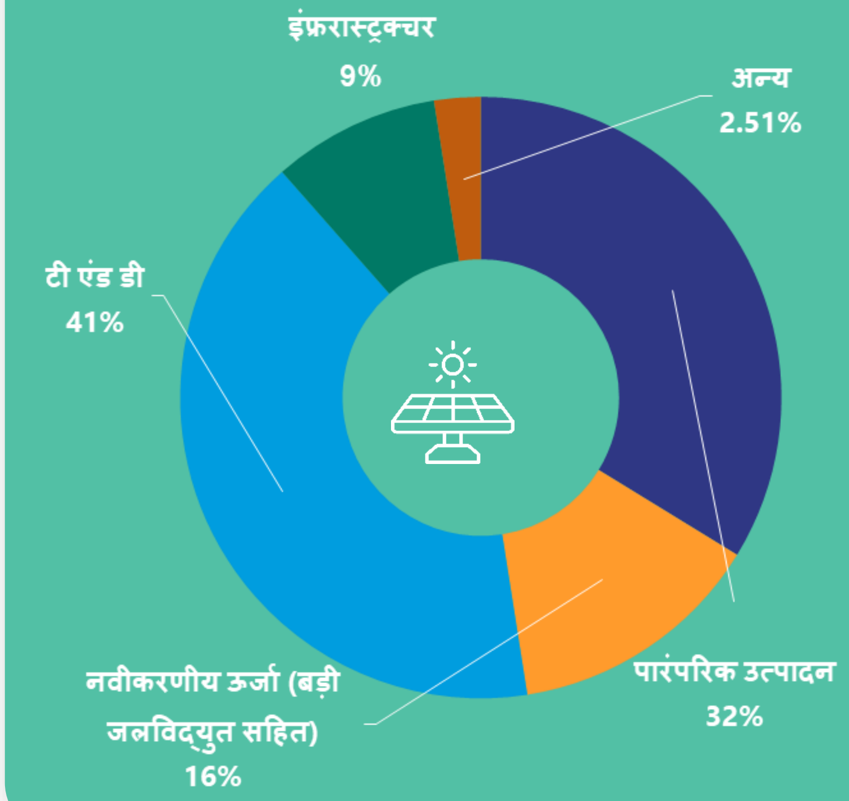

* इलेक्ट्रिकल और मैकेनिकल घटक के वित्तपोषण से संबंधित आंकड़े, जो पहले विद्युत क्षेत्र से संबंधित शीर्षों के अंतर्गत वर्गीकृत थे, अब प्रचालनात्मक समन्वय हेतु इंफ्रा एवं लॉजिस्टिक्स क्षेत्र के अंतर्गत पुनः वर्गीकृत किए गए हैं। तुलना के लिए पिछले वर्ष के आंकड़ों को भी पुनः वर्गीकृत किया गया है।

संवितरण संगठन

(करोड़ रु. में)

	तिं4 विव 26		तिं4 विव 25		विव 26		विव 25	
	राशि	%	राशि	%	राशि	%	राशि	%
संवितरण	40,009	100%	67,968	100%	1,65,414	100%	1,68,265	100%
योजना-वार								
उत्पादन	18,918	47%	26,232	39%	67,958	41%	55,996	33%
पारेषण	2,454	6%	1,973	3%	7,724	5%	7,232	4%
वितरण	15,536	39%	33,517	49%	77,191	47%	92,426	55%
इंफ्रा एवं लॉजिस्टिक्स	2,255	6%	1,741	3%	6,581	4%	5,526	3%
अन्य	846	2%	4,504	7%	5,959	4%	7,085	4%
क्षेत्र-वार								
सरकारी क्षेत्र	32,676	82%	51,549	76%	1,25,852	76%	1,24,333	74%
निजी क्षेत्र	7,333	18%	16,418	24%	39,561	24%	43,932	26%

कुछ आंकड़ों को विश्लेषण के उद्देश्य से पुनः समूहित/पुनर्वर्गीकृत किया गया हो सकता है। इसलिए, ये रिपोर्ट किए गए आंकड़ों से पूर्णतः मेल नहीं खा सकते हैं।

31.03.2026 तक ऋण राशि मिक्स

डोमेस्टिक बांड
2,74,736 करोड़ रु. (56%)

वाणिज्यिक पेपर
6,505 करोड़ रु. (1.33%)

अन्य**
849 करोड़ रु. (0.17%)

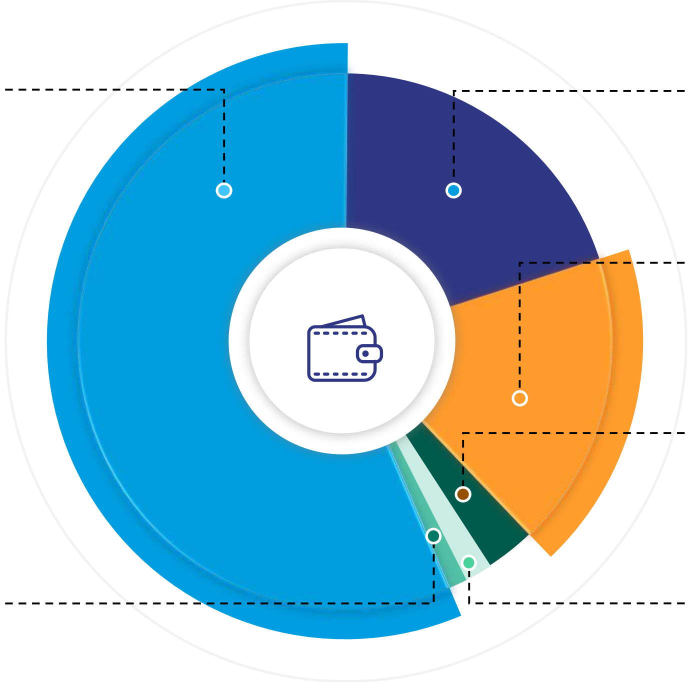

बैंक/ एफआई से आरटीएल
94,668 करोड़ रु. (19%)

विदेशी मुद्रा ऋण राशि
97,513 करोड़ रु. (20%)

अधीनस्थ देयताएं
3,987 करोड़ रु.* (0.82%)

54 ईसी बांड
10,258 करोड़ रु. (2%)

4,88,516 करोड रु.

31.03.2026 तक बकाया ऋण

97%

कुल एफसीएल पोर्टफोलियो पर विनिमय जोखिम का हेज किया गया

*पर्पेच्युअल ऋण सहित

** इसमें जमा राशि के विरुद्ध लोन, ओवरड्राफ्ट, कैश क्रेडिट शामिल हैं

शेयरधारक आउटलुक

एकल कार्य-निष्पादन

05

31.03.2026 तक शेयरधारक आउटलुक

55.99 %	भारत के राष्ट्रपति
19.64 %	एफआईआई और एफपीआई**
9.29 %	म्यूचुअल फंड्स
7.36 %	आवासीय व्यक्ति
4.74 %	क्यूआईबी*
1.13 %	निगमित निकाय
1.35 %	अन्य
0.46 %	भारतीय वित्तीय संस्थाएं और बैंक
0.03 %	कार्मिक

ईपीएस (वार्षिक)
रु.60.76

मूल्य-आय अनुपात
6.25

प्रति शेयर बुक वैल्यू
रु.310.69

प्राइस टू बुक वैल्यू अनुपात
1.22

लगातार विदेशी संस्थागत हिस्सेदारी निवेशकों के निरंतर विश्वास को दर्शाती है

उपरोक्त अनुपात वित्त वर्ष 2026 से संबंधित हैं और रिपोर्टिंग अवधि की समाप्ति पर बीएसई से प्राप्त अंतिम उपलब्ध समापन शेयर मूल्य ₹379.65 पर आधारित हैं

* *क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स*

** *विदेशी संस्थागत क्रेता एवं विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक*

पीएफसी में ईएसजी

पीएफसी में ईएसजी

विजन – संधारणीयता से प्रगति की गति

पीएफसी भारत के लिए एक संधारणीय एवं लचीले भविष्य के निर्माण में अग्रणी भागीदारी निभाने के लिए प्रतिबद्ध है
पीएफसी का ईएसजी विज़न तीन स्तंभों पर आधारित है :

स्तंभ I
पृथ्वी का संरक्षण

हम पर्यावरण का संरक्षण करते हुए. निष्पक्ष और टिकाऊ वित्तपोषण समाधान सुनिश्चित करके एक संधारणीय निम्न कार्बन अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने और राष्ट्रीय विकास को गति देने में उदाहरण प्रस्तुत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

स्तंभ II
समावेशी समाज को बढ़ावा

हम न केवल अपने लिए, बल्कि अपने हितधारकों के लिए भी सार्थक प्रभाव डालने का प्रयास करते हैं। हमारी कॉर्पोरेट नीति में सबसे आगे एक विविध, समावेशी और सक्रिय कार्यबल को बढ़ावा देना है, साथ ही हमारे निगमित सामाजिक दायित्व (सीएसआर) प्रयासों के माध्यम से समुदाय को सक्षम बनाना है।

स्तंभ III
विवेक का पालन

हमारे मूल में, हम अटूट निष्ठा बनाए रखने, हितधारकोंका विश्वास बनाए रखने और मजबूत निगमित शासन एवं जोखिम प्रबंधन प्रथाओं के माध्यम से पारदर्शिता और जवाबदेही स्थापित करने को प्राथमिकता देते हैं।

पीएफसी की अब तक की ईएसजी यात्रा

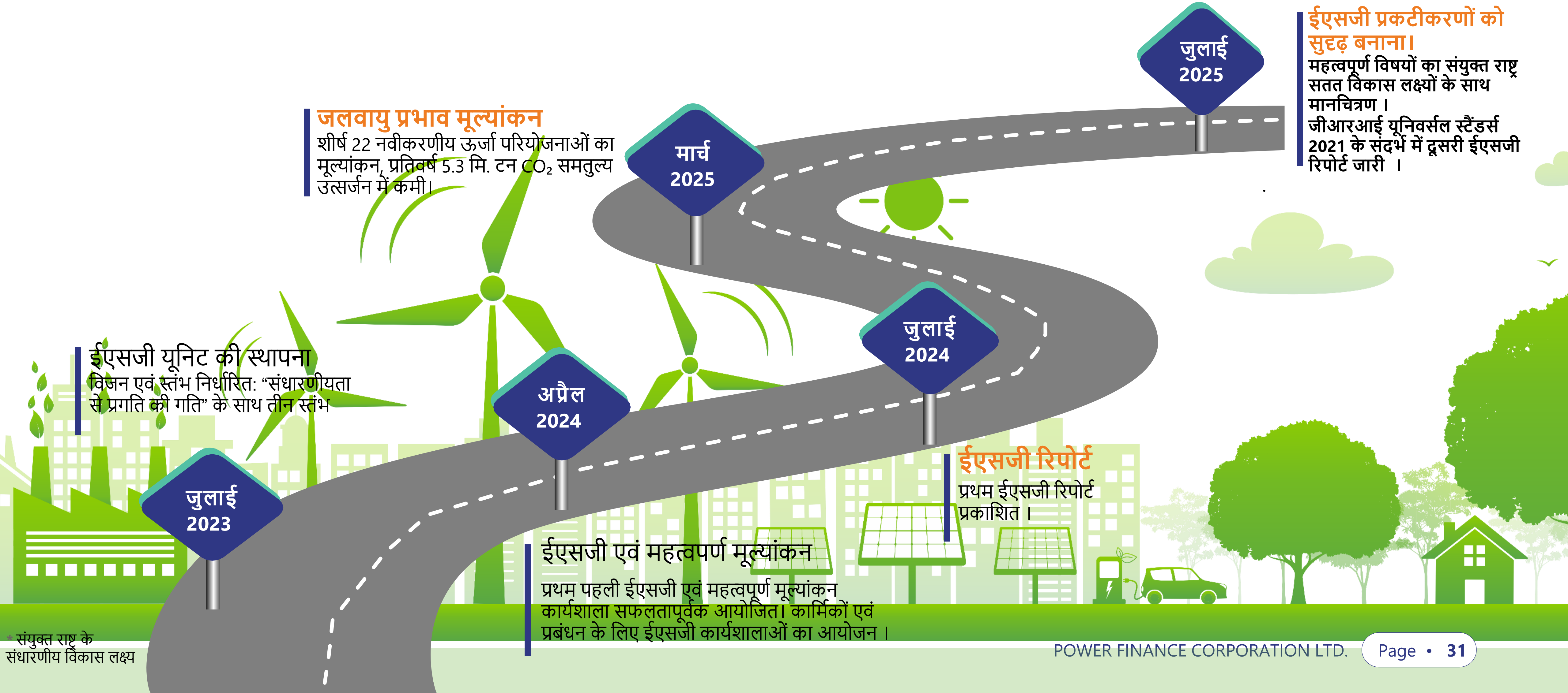

ईएसजी यूनिट की स्थापना
विज़न एवं स्तंभ निर्धारित: “संधारणीयता से प्रगति की गति” के साथ तीन स्तंभ

ईएसजी एवं महत्वपर्ण मूल्यांकन
प्रथम पहली ईएसजी एवं महत्वपूर्ण मूल्यांकन कार्यशाला सफलतापूर्वक आयोजित। कार्मिकों एवं प्रबंधन के लिए ईएसजी कार्यशालाओं का आयोजन ।

जलवायु प्रभाव मूल्यांकन
शीर्ष 22 नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं का मूल्यांकन, प्रतिवर्ष 5.3 मि. टन CO_2 समतुल्य उत्सर्जन में कमी।

ईएसजी रिपोर्ट
प्रथम ईएसजी रिपोर्ट प्रकाशित ।

ईएसजी प्रकटीकरणों को सुदृढ़ बनाना।
महत्वपूर्ण विषयों का संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्यों के साथ मानचित्रण ।
जीआरआई यूनिवर्सल स्टैंडर्स 2021 के संदर्भ में दूसरी ईएसजी रिपोर्ट जारी ।

* संयुक्त राष्ट्र के संधारणीय विकास लक्ष्य

विव 2024-25 की ईएसजी कार्य-निष्पादन झलकियां

पर्यावरण

- वित्त वर्ष 2024-25 में कार्बन उत्सर्जन में कमी
  1140 लाख टन
- कुल समर्थित आरई क्षमता
  60 गीगावाट
- विव 2025 में नवीकरणीय ऊर्जा ऋण बुक
  ₹ 81,031करोड़
- पारंपरिक ऑफिस फ्लीट को ईवी में बदलना
  लगभग44%
- नवीकरणीय ऊर्जा ऋण बुक में वृद्धि (वर्ष दर वर्ष)
  35%

सामाजिक

- कार्मिकों के लिए प्रशिक्षण दिवस
  1921
- सामुदायिक व्यय
  ₹ 244 करोड़
- स्मय हानि दुर्घटना आवृत्ति)
  ज़ीरो
- कार्मिक पद त्याग दर
  0.73 %
- महिला कार्मिक अनुपात
  लगभग् 22 %
- ग्रेड स्तर पर लैंगिंग वेतन अंतर
  ज़ीरो

गवर्नेंस

- सुदृढ़ पूंजी आधार
- विव 25 में सतर्कता प्रशिक्षण कार्यक्रम
  293 कार्मिक दिवस
- विव25 में लाभांश वितरण
  ₹ 15.80 प्रति शेयर
- सुदृढ़ कॉर्पोरेट गवर्नेंस वाली सूचीबद्ध संस्था
- विव 25 में हितों के टकराव संबंधी शिकायतें
  ज़ीरो

सशक्त एवं उन्नत स्थिरता रिपोर्टिंग से ईएसजी रेटिंग में सुधार

	रेटिंग प्रकार	स्केल (बेस्ट से वर्स्ट)	नवीनतम रेटिंग स्कोर
MORNINGSTAR SUSTAINALYTICS	ईएसजी जोखिम रेटिंग	0 से 100	15.9 (कम जोखिम)
Crisil a company of S&P Global	ईएसजी रेटिंग और कोर ईएसजी रेटिंग	100 से 0	57
NSE	ईएसजी स्कोर (निफ्टी 100 ईएसजी सूचकांकों में प्रयुक्त)	100 से 0	73
S&P Global	एस एंडपी ग्लोबल कॉर्पोरेट सस्टेनेबिलिटी असेसमेंट(सीएसए)	100 – 0	26 (मध्यम डेटा उपलब्धता)
MSCI	एमएससीआई ईएसजी रेटिंग	एएए सीसीसी (बेस्ट से वर्स्ट)	बीबी
FTSE4Good	एफटीएसई 4 गुड श्रृंखला में घटक कंपनी		

निवेशक संसाधन

Join us: @pfclindia

www.pfcindia.co.in

वार्षिक रिपोर्ट → https://pfcindia.co.in/ensite/Home/VS/72

वित्तीय परिणाम → https://pfcindia.co.in/ensite/Home/VS/73

ईएसजी रिपोर्ट → https://pfcindia.co.in/ensite/Home/VS/10201

निवेशक घोषणा → https://pfcindia.co.in/ensite/Home/VS/10201

निवेशक एफएक्यू → https://www.pfcindia.co.in/ensite/FAQ

विद्युत क्षेत्र से संबंधित नवीनतम रिपोर्टें → https://mnre.gov.in/NEP

→ https://pfcindia.co.in/ensite/Home/VS/25

संपर्क सूचना

Join us: @pfclindia

www.pfcindia.co.in

निवेशकों से संबंध टीम → investorrelations@pfcindia.com

बॉन्ड संबंधी प्रश्न →
54ईसी बांड - 54ECinvestorcell@pfcindia.com
अन्य बांड - bondsinvestorcell@pfcindia.com

इक्विटी शेयर संबंधी प्रश्न → investorsgrievance@pfcindia.com

अस्वीकारोक्ति

यह प्रस्तुति 31.03.2026 को समाप्त तिमाही के लिए पीएफसी के समेकित/ एकल लेखापरीक्षित वित्तीय विवरणों के आधार पर तैयार की गई है।

नए लेखा मानकों अथवा उनकी व्याख्याओं के लागू होने, विनियामक निकायों और/या भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा दिशा-निर्देशों/परिपत्रों की प्राप्ति के कारण आवश्यक समायोजनों के फलस्वरूप, इंड एएस वित्तीय परिणामों तथा अतिरिक्त प्रकटीकरणों में अद्यतन, संशोधन अथवा परिवर्तन किए जाने की संभावना है।

इस प्रस्तुति में ऐसे कथन शामिल हो सकते हैं जो प्रबंधन के वर्तमान विचारों और अनुमानों को प्रतिबिंबित करते हैं तथा जिन्हें भावी संभावनाओं से संबंधित कथनों के रूप में समझा जा सकता है। भविष्य अनिश्चितताओं और जोखिमों से युक्त है, जिसके कारण वास्तविक परिणाम वर्तमान में व्यक्त किए जा रहे विचारों से महत्वपूर्ण रूप से भिन्न हो सकते हैं। संभावित अनिश्चितताओं और जोखिमों में सामान्य आर्थिक परिस्थितियाँ, विनिमय दरों में उतार-चढ़ाव, प्रतिस्पर्धी उत्पाद एवं मूल्य निर्धारण का दबाव, औद्योगिक संबंध तथा विनियामक परिवर्तनों जैसे कारक शामिल हैं।

हम अग्रदृष्टि कथनों को पूर्वव्यापी रूप से अद्यतन नहीं करते हैं। ऐसे कथन प्रकाशन की तिथि पर मान्य होते हैं भावी संभावनाओं से संबंधित कथनों का पूर्वव्यापी अद्यतन नहीं किया जाता। ऐसे कथन प्रकाशन की तिथि तक ही मान्य होते हैं और समय-समय पर प्रतिस्थापित किए जा सकते हैं।और बाद में प्रतिस्थापित किए जा सकते हैं।

तुलनात्मक प्रस्तुति हेतु आंकड़ों का पुनर्समूहन/पुनर्वर्गीकरण किया गया है।

'विश्लेषणात्मक आंकड़े' व्यवसाय की समझ को सुगम बनाने के लिए तैयार किए गए अनुमानित आंकड़े हैं; इनका उद्देश्य रिपोर्टित आंकड़ों का मिलान प्रस्तुत करना नहीं है।

केवल गैर-मूल्य संवेदनशील प्रश्नों के उत्तर ही दिए जाएंगे।

यह प्रस्तुति केवल सूचना प्रदान करने के उद्देश्य से है और पीएफसी की किसी भी प्रतिभूति के क्रय या विक्रय हेतु प्रस्ताव या अनुशंसा नहीं है। इसमें दी गई जानकारी के आधार पर की गई किसी भी कार्रवाई की जिम्मेदारी संबंधित व्यक्ति की होगी तथा उसके परिणामों के लिए पीएफसी, उसके निदेशक या कार्मिक उत्तरदायी नहीं होंगे।